

चारा अनुभाग
अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

दिसम्बर—जनवरी महीने के लिए कृषि परामर्श

जई

चारे की अधिक पैदावार के लिए ध्यान देने योग्य बातें:

उर्वरक प्रबंधन: बिजाई के समय डाली गई खाद के अलावा, एक कटाई वाली व अधिक कटाई वाली किस्मों में बिजाई के 30 दिन बाद 16 किलोग्राम नाइट्रोजन (35 किलोग्राम यूरिया) प्रति एकड़ के हिसाब से डालें।

बिजाई के समय डाली गई खाद व 30 दिन के बाद डाली गई खाद के अलावा, अधिक कटाई वाली किस्मों में पहली कटाई के बाद 16 किलोग्राम नाइट्रोजन (35 किलोग्राम यूरिया) प्रति एकड़ के हिसाब से अलग से डालें।

सिंचाई व निराई—गुड़ाई: प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई अवश्य करें। कटाई के बाद यदि खरपतवार ज्यादा हो तो एक गोड़ाई करें।

कटाई: अधिक कटाई वाली किस्मों में प्रथम कटाई बिजाई के 60—65 दिन बाद कर ली जाए तो इसकी दो कटाईयां भली प्रकार ली जा सकती हैं। चारे की कटाई ओस सूखने के बाद करें।

बरसीम

चारे की अधिक पैदावार के लिए ध्यान देने योग्य बातें:

सिंचाई प्रबंधन: 15—20 दिन के अन्तर पर मौसम के अनुसार सिंचाई करें।

कटाई प्रबंधन: बिजाई के लगभग 60 दिन के बाद पहली बार बरसीम काटने योग्य हो जाती है। इसके बाद की कटाईयां 40 दिन के अन्तर पर जाड़े के दिनों में और 30 दिन के अन्तर पर बसन्त के दिनों में करें।

खरपतवार प्रबंधन: खरपतवारों को समयानुसार निकालते रहें।

उर्वरक प्रबंधन: यदि बरसीम के साथ जई, जापानी सरसों का चाइनीज कैबेज की मिश्रित फसल उगाई हो तो उसमें 16 किलोग्राम नाइट्रोजन (35 किलोग्राम यूरिया) प्रति एकड़ के हिसाब से प्रथम कटाई के बाद अलग से डाल दें।

बीमारियों की रोकथाम

बीमारी, कारण व लक्षण	रोकथाम
<p>तना गलन रोग: यह बरसीम की फसल में फंगस के कारण लगने वाला रोग है जो कि बीज में अथवा जमीन में विद्यमान रहता है। फंगस तने के निचले भाग पर आक्रमण करता है। फलस्वरूप तना सड़न आरम्भ हो जाता है। यह सफेद रूई जैसा माईसिलियम बनाता है जो कि जमीन पर पड़े हुए सड़े-गले पदार्थों पर बढ़ना प्रारम्भ करता है और इस प्रकार का फंगस सूखते हुए बरसीम के खेत में आसानी से दिखाई देता है।</p>	<p>जहां फसल में बीमारी दिखाई पड़े निम्नलिखित विधियों को प्रयोग में लाएं:</p> <p>(क) फसल काट देनी चाहिए ताकि मिट्टी को धूप लग सके।</p> <p>(ख) 0.1 प्रतिशत बाविस्टिन के घोल से भूमि को सिंचित करें। इस काय के लिए 10 लीटर घोल एक वर्गमीटर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होता है।</p>